अध्याय

12

लखनवी अंदाज

यशपाल

© JCERT not to be republished

पाठ का नाम–लखनवी अंदाज

लेखक –परिचय

- नाम–यशपाल
- जन्म स्थान– पंजाब के फिरोजेपुर छावनी
- जन्म वर्ष–1903
- मृत्यु वर्ष–1976
- काल–आधुनिक काल (प्रगतिवादी धारा)
- पहचान –उपन्यासकार, कहानीकार

साहित्यिक –विशेषताएं

1. यशपाल जी हिंदी साहित्य के जाने–माने चनाकार है।।इनकी पहचान मार्क्सवादी विचारक, सामाजिक कथाकार और एक क्रांतिकारी के रूप में की जाती है।
2. प्रेमचंदोत्तर के बाद जिस साहित्यकारों ने खूब ख्याति अर्जित की उसमें से एक नाम यशपाल जी का भी है।एक क्रांतिकारी की बुलंद आवाज और कलम की धार जैसे सशक्त शक्ति के साकार रूप थे यशपाल। इन्होंने बुलेट (बंदूक) से बुलेटिन (पत्रकारिता) तक का जो सफर तय किया उस पर चर्चा करने पर गर्व महसूस किया जा सकता है।
3. इनकी रचनाएं मार्क्सवादी विचारधारा से बहुत दूर तक प्रभावित होती नजर आती है जैसे दादा कामरेड में इन्होंने मजदूर के संघर्ष की विवेचना की।वही इन्होंने दिव्या उपन्यास में नारी यातना पर भी चर्चा की है। यथार्थ को उन्होंने बहुत ही करीब से भोगा था। विभाजन के दंश और यथार्थ को उन्होंने झूठा–सच उपन्यास में इस कदर रचा कि यह उपन्यास दक्षिण एशिया की एक चर्चित उपन्यास में शुमार हो गई। यह उपन्यास यशपाल जी की रचना का एक मास्टर पीस भी कहा जा सकता है।
4. मजदूरों का संघर्ष,नारी मुक्ति की बात, सामंती व्यवस्था के खिलाफ विचार को प्रस्तुत करने के प्रति यशपाल जी प्रतिबद्ध थे। उनका क्रांतिकारी व्यक्तित्व सारी रचना में साफ नजर आता हैं।
5. प्रमुख रचनाएं-इन्होंने कलम के द्वारा

© JCERT not to be republished

अपनी रचनाओं में क्रांति को फैलाया। इनकी रचनाओं को हम लोग इस प्रकार से देख सकते हैं:-

6. **रचना का नाम। रचना की कथा वस्तु**

लखनवी अंदाज़- व्यंग्य सामंती व्यवस्था का विरोध (व्यंग्यात्मक निबंध)

(झूठा सच्चा) उपन्यास- भारत विभाजन की त्रासदी

दादा कामरेड- मजदूर संघर्ष का विवेचना (उपन्यास)

दिव्या- नारी यातन का चित्रण उपन्यास

मेरी तेरी उसकी बात- 1942 का आंदोलन **(उपन्यास)**

कहानी संग्रह-पिंजरे की उड़ान फूलों का कुर्ता

काव्य संग्रह-चक्करक्लब, कुत्ते की पूछ।

यात्रा वृतांत- लोहे की दीवार के दोनों ओर।

संस्मरण- सिंहावलोकन।

7. **ट्रिक-**यशपाल जी की रचनाओं को याद करने के लिए ट्रिक-

दिव्या और **अमिता** ने **कुत्ते की पूछ** को दबाते हुए **बारह घंटे** के बाद **चक्कर क्लब** को पार करते हुए **दादा कामरेड** और **उतमी की मां** के लिए **परदा** और **फूलों का कुर्ता** खरीदा।

8. **भाषा- शैली** - इन्हें किसी भाषा विशेष से अनुराग नहीं था। इनकी रचनाओं में संस्कृत उर्दू अंग्रेजी आदि भाषाओं के शब्द आसानी से स्थान प्राप्त कर लेते थे। लखनवी अंदाज को उदाहरण के तौर पर लिया जा सकता है।

9. **उपलब्धियां एवं पुरस्कार-** पद्मभूषण (1970),मंगला प्रसाद पारितोषिक (1971)एवं साहित्य अकादमी पुरस्कार तेरी मेरी उसकी बात (1976) के लिए प्रदान किया गया है।

लखनवी अंदाज का पाठ परिचय

प्रस्तुत पाठ लखनवी अंदाज यशपाल जी द्वारा रचित एक व्यंग्यात्मक निबंध है, जिसमें लेखक ने सांमती वर्ग के प्रति अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मुगल और ब्रिटिश काल में सामंती वर्गों का वर्चस्व था। संमती वर्ग अर्थात विशिष्ट जनो का कुनबा, किसके पास संपत्ति की कोई कमी नहीं थी। देश आजाद हुआ और सारी व्यवस्था लोकतांत्रिक हो गई। ब्रिटिश काल की कई व्यवस्थाओं को बदल दिया गया उसमें नवाबों के रियासतों का भी विलय किया गया। सांमती वर्गों के हाथ से सत्ता और धन दोनों चली गई पर एक चीज बच गई इनकी झूठी शानो- शौकत और अकड़। आइए पाठ से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं का अवलोकन किया जाए-

1. **लेखक की कल्पना-**लेखक यशपाल जी दो उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सेकंड क्लास बर्थ का टिकट लेते हैं जहां ट्रेन में उनकी भेंट नवाब से होती है। स्वभाव अनुसार लेखक नवाब को देखकर कई कल्पनाएं करते हैं जैसे नवाब का सेकंड

© JCERT not to be republished

क्लास का टिकट लेकर सफर करना, खाने के लिए साथ में खीरे रखना और नवाब का लेखक से बातचीत करने में रुचि ना रखना आदि जैसे विषय लेखक की कल्पना को नया आधार प्रदान करता है।

2. **नवाब का लेखक से दूरी बनाना–** लेखक ने महसूस किया कि नवाब उनसे बातचीत करने में रुचि नहीं रख रहे हैं। भले ही नवाबी दौर चला गया हो लेकिन अभी भी ऐसे वर्ग अपने आप को सामान्य लोगों से अपने आपको अलग महसूस करते हैं और विशिष्ट वर्ग का दर्जा और सम्मान प्राप्त करना चाहते हैं।

3. नवाब की शान के खिलाफ टिकट और खीरा-लेखक को एहसास होता है कि उनकी उपस्थिति नवाब को चुभ रही है। सेकंड क्लास के बर्थ में सफर करना नवाब के शानो शौकत को धूमिल कर रहा था ऐसे में नवाब नहीं चाहते थे कि कोई उन्हें सेकंड क्लास के बर्थ में सफर करता देखें किंतु लेखक की उपस्थिति ने उनके इस चाहत पर पानी फेर दिया। दूसरी तरफ खीरे जैसा सस्ता खाद्य पदार्थ को खाकर सामान्य व्यक्तियों में शामिल होना नहीं चाहते थे। उस पर नवाब के आग्रह करने के बाद लेखक का खीरा खाने के लिए मना करना उन्हें अपनी प्रतिष्ठा का और अधिक धूमिल होना जैसा प्रतीत होता है।

4. **नवाब का लखनवी तहजीव–** नवाब खासतौर से लखनऊ के नवाब अपने तहजीब के कारण जाने जाते हैं। एक ही बर्थ में सफर करने के बावजूद भी नवाब लेखक से एक दूरी बनाकर रखते हैं औपचारिकता भर की कोई बातें नहीं करते किंतु अचानक से लेखक से खीरे खाने का आग्रह करना लेखक को अटपटा सा लगता है।

5. **इच्छाशक्ति पर भारी पड़ती झूठी प्रतिष्ठा**-वर्तमान में ना तो नवाब की उपाधि बची है ना तो रियासते। उनके पास झूठी शान शौकत दिखाने के अलावा कुछ भी नहीं बचा है। भले ही आज उनके कई किले ध्वस्त हो गए हैं,पर उनकी झूठी शान शौकत ध्वस्त नहीं हुई है। अपनी झूठी प्रतिष्ठा को बचाने के लिए खीरे को सूंघकर बाहर फेंक देते हैं और यह जताने की कोशिश करते हैं कि उन्होंने पेट भरने के लिए नहीं बल्कि शौक के खातिर खीरे को खरीदा और खीरे को ना खाने की इच्छा होने पर अपने लिए तुच्छ खाद्य पदार्थ समझते हुए फेंक दिया।

6. **संतुष्ट होने का सूक्ष्म तरीका–**लेखक को नवाब का एक व्यवहार को देखकर और भी आश्चर्य होता है।नवाब को खीर खाने की तलब तो होती है किंतु अपनी प्रतिष्ठा बचाने के खातिर वे खीरे को खाना नहीं चाहते। ऐसे में खीरे को ना खाकर केवल सूंघकर रसास्वादन लेकर खीरे को खिड़की से बाहर फेंक देना लेखक को आश्चर्य में डालता है। लेखक को ऐसा महसूस होता है की संतुष्टि करने का यह सूक्ष्म तरीका है

© JCERT not to be republished

जो नवाब के द्वारा अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए अपनाया जा रहा है।

7. **नवाब की डकार–**बिना खीरे को खाए नवाब का डकार लेना लेखक को उनका एक और अस्वाभाविक लक्षण नजर आता है लेखक को लगता है कि प्रतिष्ठा बचाने के चक्कर में नवाब वह कार्य कर रहे हैं जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था।

8. **लेखक का निष्कर्ष–**लेखक को नवाब के अस्वाभाविक लक्षण को देखते हुए यह महसूस होता है कि अगर बिना खाए कोई डकार ले सकता है तो लेखक बिना पात्र, बिना विचार एवं घटना के बगैर एक नई कहानी क्यों नहीं लिख सकते।

शब्दार्थ

परजीविता–वह जीव जो अन्य जीवो पर भोजन तथा आवास के लिए आश्रित होते हैं।

बनावटी पन–	दिखाव।
प्रेरणा–	प्रोत्साहन।
पैसेंजर–	यात्री।
उतावला–	हड़बड़ी, जल्दबाजी।
सेकंड क्लास–	द्वितीय श्रेणी।
प्रतिकूल–	पक्ष में ना होना।
निर्जन–	एकांत।
ट्रेन बर्थ –	ट्रेन में लेटने का सीट।
चिंतन–	मन में किया जाने वाला विवेचन।
विघ्न–	बाधा।
सुझ–	सोच–विचार, होश।
अपदार्थ वस्तु–	तुच्छ, ऐसी वस्तु जिसे इंद्रिय ग्रहण ना करें।
शौक–	लालसा, इच्छा।
संगति–	दोस्त मित्र साथ में उठना- बैठना।
किफायत–	बचत।
सफेदपोश–	कुलीन, शिक्षित सभ्य व्यक्ति।
मंझला दर्जा–	द्वितीय श्रेणी।
शुक्रिया–	धन्यवाद
एहतियात–	चौकसी, सावधानी।
झाग–	फेन।
किबला–	सम्मानित व्यक्ति के लिए संबोधन का एक रूप।
शौक–	लालसा, सुख भोग।
फरमाना–	कहना।
करीना–	तरीका, क्रम।
शराफत–	भद्रता, बड़प्पन, अच्छे संस्कार।
गुमान –	अभिमान। घमंड।
कनखियों–	तिरछी नजरों से देखना।
शुक्रिया–	धन्यवाद।

© JCERT not to be republished

रसास्वादन-	उपभोग,सेवन, रस-चखना।
रईस-	संपन्नता,अमीरी ।
बालम-	आशिक,प्रेमी।
सतृष्णा -	प्यासा, इच्छुक।
तलब -	(अरबी शब्द) इच्छा,चाह।
तस्लीम-	सलाम करना, किसी बात को स्वीकार कर लेना।
सिर खम कर लेना-	सिर को झुका लेना।
नफासत-	सुंदरता।
नजाकत-	सोमलता मृदुलता।
खानदानी-	कुल संबंधित, पुस्तैनी, वंशानुगत, पैतृक।
तहजीब-	सभ्यता शिष्ट व्यवहार।
वासना-	दबी हुई इच्छा।
उदर-	पेट।
तृप्ति-	संतुष्ट।
डकार-	पेट भरे होने का सूचक शब्द।
ज्ञान -	चक्षु -अंतर्दृष्टि।

लघुउत्तरीय प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1. लखनवी अंदाज किसकी रचना है एवं किस विद्या की रचना है?

उत्तर- यशपाल जी की रचना है। रचना की विद्या व्यंग्यात्मक निबंध है।

प्रश्न 2. पाठ के अनुसारलखनवी अंदाज का अर्थ बताएं?

लखनवी लखनऊ का अंदाज तौर तरीका। आर्थतलखनऊ में रहने वाले का तौर तरीका से है।

प्रश्न 3. लखनवी अंदाज का कथा -वस्तु क्या है?

उत्तर-पतनशील (नीचे गिरना) सामंती वर्ग पर कटाक्ष (ताना) करना।

प्रश्न 4. सामंती वर्ग के लोगों को क्या प्रदर्शित करने की आदत है?

उत्तर- झूठी शान बाह्य आडंबर और दिखावे की जिंदगी प्रदर्शित करने की आदत सामंती वर्ग के लोगों को रही है।

प्रश्न 5. सामाजिक परजीविता का अर्थ बताएं?

उत्तर- असंतुष्ट और दूसरों पर आश्रित रहने वालाव्यक्ति।

प्रश्न 6. लखनवी अंदाज में लेखक ने क्या संदेश देना चाहा है?

उत्तर- वास्तविकता में जीने का संदेश दिया है।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 7. फूंकार शब्द का अर्थ बताएं?

उत्तर- तेज सांस लेने की आवाज।

प्रश्न 8. लेखक के अलावा सेकंड क्लास बर्थ में कौन सफर कर रहा था?

उत्तर- एक लखनवी नवाब।

प्रश्न 9. नवाब शब्द का अर्थ बताएं।

उत्तर- नवाब एक प्रकार की उपाधि है,जो मुगल काल में दिए जाते थे।

प्रश्न 10. नस्ल का अर्थ बताएं?

उत्तर- वंश,किसी जाति के पालतू पशुओं की एक विशेष प्रजाति;किस्म।

नवाब साहब को।

प्रश्न 11. लेखक के अनुसार नवाब ने किस विषय को लेकर उत्साह नहीं दिखाई?

उत्तर- लेखक से मित्रता करने की।

प्रश्न 12. 'आदाब अर्ज,जनाब खीरे का शौक फरमाएंगे'? किसने किससे कहा?

उत्तर- नवाब ने लेखक से यह बातें कही।

प्रश्न 13. सफ़ेदपोसका अर्थ बताएं।

उत्तर- सज्जन या भद्र पुरुष।

प्रश्न 14. मंझले दर्जे का अर्थ बताएं?

उत्तर- बीच का या मध्य का (अंग्रेजी में इसे मिडिल क्लास कहते हैं।)

प्रश्न 15. लेखक के सामने नवाब खीरा खाना नहीं चाहते थे ऐसा लेखक ने क्यों अनुमान लगाय?

उत्तर- प्रतिष्ठा के हिसाब से खीरे जैसी तुच्छ वस्तु खाना नवाब को उचित नहीं लग रहा था।

प्रश्न 16. 'आदाब अर्ज जनाब खीरे का शौक फरमाएंगे'यह पंक्तिकिस पाठ से ली गई है एवं उसके रचनाकार का नाम बताएं?

उत्तर- पाठ का नाम लखनवी अंदाज एवं रचनाकार यशपाल।

प्रश्न 17. 'आदाब अर्ज जनाब खीरे का शौक फरमाएंगे'? नवाब द्वारा कहे गए यह वाक्य किस प्रकार के भाव को दर्शा रहा है।

उत्तर- तहजीब (आदर पूर्वक) से की गई बातें।

प्रश्न 18. लखनऊ स्टेशन पर जीरा मिला नमक और पीसी हुई लाल मिर्च का प्रयोग किस प्रकार से किया जाता है?

उत्तर- खीरे को स्वादिष्ट बनाने के लिए?

प्रश्न 19. 'मियां रईस बनते हैं,लेकिन लोगों की नजरों से बच सकने के खयाल में अपनी असलियत पर उतर आए हैं।'यह पंक्तियां किस पाठ से ली गई है एवं इसके रचनाकार का नाम बताएं?

उत्तर- पाठ का नाम लखनवी अंदाज एवं रचनाकार का नाम यशपाल।

प्रश्न 20. स्फुरण का अर्थ बताएं?

उत्तर- कंपन, स्फूर्ति या फड़कना।

प्रश्न 21. नवाब का मुख खीरे के रसास्वादन की कल्पना से कैसा हो रहा था?

© JCERT not to be republished

उत्तर- पल्लावित (पानी भर जाना) हो रहा था।

प्रश्न 22. 'वल्लाह शौक कीजिए, लखनऊ का बालम खीरा है।'

यह पंक्तियां किस पाठ से ली गई है एवं इसके रचनाकार का नाम बताएं।

उत्तर- पाठा का नाम लखनवी अंदाज एवं रचनाकार का नाम यशपाल है।

प्रश्न 23. नवाब ने खीरे के फांके का क्या- किया?

उत्तर- बिना खाए ट्रेन की खिड़की से फेंक दिया।

प्रश्न 24. 'मानो कह रहे हों-यह है खानदानी रईसों का तरीका। 'यह पंक्ति किस पाठ से लीगई है इसके रचनाकार का नाम बताएं।

उत्तर- पाठ का नाम लखनवी अंदाज एवं रचनाकार का नाम यशपाल है।

प्रश्न 25. खम शब्द का अर्थ बताएं?

उत्तर- खम लखनवी अंदाज से लिया गया एक शब्द है,जिसका अर्थ सिर झुकाना होता है।

प्रश्न 26. सामंती वर्ग मे किन लोगों को शामिल किया जाता है?

उत्तर- नवाब, छोटे राजा और जमींदार।

प्रश्न 27. नवाब छोटे राजा और जमींदार किस का (प्रतिनिधित्व, नेतृत्व अगुआई)करते थे?

उत्तर- बनावटी जीवन का।

लघु उत्तरीय- प्रश्न

प्रश्न 1. लेखक ने सामान्य वर्ग को सामाजिक पर जीविता क्यों माना है

उत्तर- पर जीविता का दो अर्थ है एक दूसरे के घर और भोजन पर आश्रित होना तथा दूसरे का खून चूसने वाला। सामंती वर्गों ने सदैव यह दोनों काम साधारण जनता के साथ में किया है, इसलिए लेखक ने ऐसा संबोधन किया है।

प्रश्न 2. लखनवी अंदाज निबंध के संदर्भ में खीरे -जैसी अपदार्थ वस्तु का अर्थ बताएं?

उत्तर- जब भारतीय समाज पर सामंती वर्गों का दबदबा था तब उनके पास संपत्ति की कोई कमी नहीं थी। वे लोग एक से एक महंगी चीजो का उपभोग किया करते थे, ऐसे में खीरे जैसी तुच्छ वस्तु खाकर नवाब साधारण लोगों में शामिल नहीं होना चाहते थे।

प्रश्न 3. आदाब अर्ज जनाब खीरे का शौक फरमाएंगे? नवाब द्वारा कहे गए यह वाक्य किस प्रकार के भाव को दर्शा रहा है?

उत्तर- तहजीब से भरा हुआ वाक्य। नवाबो

© JCERT not to be republished

के कई किस्से मशहूर होगे, मगर लखनऊ के नवाबो जितने नहीं। यहां के नवाब अपने तहजीब के कारण जाने जाते हैं।

प्रश्न 4. नवाब का मुख खीरे के रसास्वादन की कल्पना से क्यों पल्लवित हो रहा था?

उत्तर- नवाब ने खीरे को खाने के लिए खरीदा था औरवे उसे खाना भी चाहते थे लेकिन लेखक की उपस्थिति में वह खीरे को खाकर अपनी प्रतिष्ठा गवाना नहीं चाहते थे, क्योंकि नवाब की नजरों में खीरा एक तुच्छ पदार्थ था।

प्रश्न 5. वल्लाह शौक कीजिए लखनऊ का बालम खीरा है। यहां नवाब लेखक को खीरे की क्या विशेषता बताना चाह रहे हैं?

उत्तर- बालम का अर्थ आशिक होता है। नवाब के अनुसार लखनऊ का खीरा अपने गुणों और स्वाद में श्रेष्ठ है अतः जो भी व्यक्ति इस खीरे को खाएगा वह उसका आशिक या प्रेमी हो जाएगा।

प्रश्न 6. वासना से रसास्वादन का क्या मतलब हो सकता है?

उत्तर- लेखक के द्वारा खीरे के लिए दोबारा मना करना नवाब को अच्छा नहीं लगता है। किसी साधारण व्यक्ति द्वारा खीरे के लिए मना करना नवाब अपनी प्रतिष्ठा का विषय मान लेते हैं। अतः नवाब खीरे के फांक को खिड़की से फेंकते जाते हैं। यह काम करना नवाब के लिए इतना आसान भी नहीं होता है क्योंकि खीरे खाने की दबी इच्छा को वे छोड़ नहीं पाते हैं,और खीरे का मन ही मन रस या सेवन लेकर छोड़नाउनकी मजबूरी हो जाती है।

प्रश्न 7. क्या आप की नजरों में खाने की वस्तु मंहगी या सस्ती हो सकती है?

उत्तर- नहीं। खरीदते वक्त भले ही वस्तु का दाम कम या अधिक हो सकता है लेकिन खाते वक्त हमें केवल उसके गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहिए।

प्रश्न 8. नवाब ने अपने आप को खानदानी रईस साबित करने के लिए क्या किया।

उत्तर- खीरे को खाने की जगह उसे खिड़की से फेंक दिया।

प्रश्न 9. क्या नवाब को खीरा फेंकना चाहिए था? अगर नहीं तो क्यों?

उत्तर - आजादी के बाद नवाब के रियासत और उपाधि ले ली गई।ऐसे में नवाब भी साधारण जनता की तरह हो गए। उनके पास पहले जैसा पैसा और शोहरत नहीं रह गया था, पर देश के नवाब इस सच्चाई से हमेशा भागते रहे। खीरे जैसी वस्तु को फेंकना भी इस बात का सूचक है।

प्रश्न 10. किसी वस्तु को बिना खाए केवल सूंघकर क्या तृप्ति पायी जा सकती है?

उत्तर- नहीं। नवाब साहेब ने ऐसा दिखाया की खीर खाने से नहीं सूंघने से भी तृप्ति मिल सकती है। यहकेवल एक भ्रम ही माना जा सकता है। यह एक वैज्ञानिक तथ्य है कि,जब तक हमारी इंद्रियां किसी वस्तु काअनुभव नहीं करेगी,तब तक हमें तृप्ति नहीं हो सकती।

प्रश्न 11. लेखक नवाब के किस हरकत पर नतमस्तक हो गए?

उत्तर -नवाब ने खीरे को बगैर खाए ही

© JCERT not to be republished

डकार लेकर लेखक को आभास करा दिया कि उन्होंने खीरे को सूंघकर हीतृप्ति प्राप्त कर ली लेखक उनके इस दिखावे के आचरण पर नतमस्तक हो गए।

प्रश्न 12. खीरे को खिड़की से बाहर फेंकना नवाब के किस मानसिकता को दर्शा रहा था?

एक जमाने में नवाब अपने महंगे शौक के लिए जाने जाते थे उन्होंनेबहुत सारे विशिष्ट व्यंजन से भारतीय व्यंजनों कि शान बढ़ाई। नवाब साधारण व्यक्ति के सामने खीरे खाकर अपने आप को साधारण लोगों में शामिल नहीं करना चाहते थे,इसलिए अपनी प्रतिष्ठा को बचाने के लिए उन्होंने खीरे में अरुचि दिखाते हुए खीरे को तुच्छ वस्तु के समान सूंघकर फेंक दिया।

प्रश्न –अभ्यास

प्रश्न 1. लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं?

उत्तर- लेखक ने नवाब के निम्नलिखित हाव भावों से यह महसूस किया-

1. लेखक को देखकर नवाब के चेहरे पर कोई उत्सुकता नहीं दिखाई दी
2. नवाब लेखक से बातचीत करने के बजाए खिड़की के तरफ देख रहे थे।

प्रश्न 2. नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक-मिर्च बुरका, अंततः सूंघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा? उनका ऐसा करना उनके कैसे स्वभाव को इंगित करता है?

उत्तर -एक जमाने में नवाब अपने महंगे शौक के लिए जाने जाते थे उन्होंनेबहुत सारे विशिष्ट व्यंजन से भारतीय व्यंजनों कि शान बढ़ाई। नवाब साधारण व्यक्ति के सामने खीरे खाकर अपने आप को साधारण लोगों में शामिल नहीं करना चाहते थे,इसलिए अपनी प्रतिष्ठा को बचाने के लिए उन्होंने खीरे में अरुचि दिखाते हुए खीरे को तुच्छ वस्तु के समान सूंघकर फेंक दिया। ऐसाकरना उनकी झूठी शान और बनावटी स्वभाव को दर्शाता है।

प्रश्न 3. बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है। यशपाल के इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं?

उत्तर- कहानी लिखे जाने के लिए विचार घटना और पात्र का होना आवश्यक है। इन तीन बिंदुओं को कहानी की आत्मा या देह माना जाता है। अतः यशपाल जी के विचारों से सहमत होना आसान नहीं है।

प्रश्न 4. आप इस निबंध को और क्या नाम देना चाहेंगे

उत्तर- लखनवी शाना, झूठी शान, अनोखा रईस, अनोखे नवाब, नवाब के गुमान, खानदानी रईसों के मिसाल।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 5. यशपाल जी को किस रचना के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला?

(a) फूलों का कुर्ता

(b) दादा कामरेड

(c) अमिता

(d) तेरी–मेरी उसकी बात

उत्तर-(d) तेरी–मेरी उसकी बात

प्रश्न 6. लखनवी अंदाज की कथा–वस्तु क्या है?

(a) सामान्य वर्ग का समर्थन

(b) पतनशील सामंती वर्ग पर कटाक्ष

(c) सामंतीवर्ग का समर्थन

(d) सामान्य वर्ग का विरोध

उत्तर-(d) सामान्य वर्ग का विरोध

प्रश्न 7. सामंती वर्ग के लोगों को क्या प्रदर्शित करने की आदत है?

(a) हमदर्दी (b) प्यार

(c) झूठी शान (d) नफरत

उत्तर-(c) झूठी शान

प्रश्न 8. सामाजिक परजीविता का अर्थ बताएं।

(a) संतुष्ट व्यक्ति

(b) दूसरों पर आश्रित रहने वाला व्यक्ति

(c) स्वयं पर आश्रित रहने वाला व्यक्ति

(d) धैर्यवान व्यक्ति

उत्तर-(b) दूसरों पर आश्रित रहने वाला व्यक्त

प्रश्न 9. लखनवी अंदाज में लेखक ने क्या संदेश देना चाहा है?

(a) वाह्य सुंदरता के साथ जीना

(b) वास्तविकता में जीने का संदेश

(c) वाह्य आडंबर के साथ जीना

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(b) वास्तविकता में जीने का संदेश

प्रश्न 10. फूंकार शब्द का अर्थ बताइएं।

(a) धीमी सांस लेना

(b) तेज सांस लेने की आवाज

(c) हंसाने की आवाज

(d) फुसफुसाने की आवाज

उत्तर-(b) तेज सांस लेने की आवाज

प्रश्न 11. लेखक ने किस क्लास की ट्रेन टिकट खरीदी थी?

(a) फर्स्ट क्लास (b) थर्ड क्लास

(c) सेकंड क्लास (d) स्लीपर क्लास

उत्तर-(c) सेकंड क्लास

प्रश्न 12. लेखक के अलावा सेकंड क्लास बर्थ में कौन सफर कर रहा था?

(a) पुलिस

(b) एक लखनवी नवाब

(c) डॉक्टर

(d) शिक्षक

उत्तर-(b) एक लखनवी नवाब

© JCERT not to be republished

प्रश्न 13. 'नवाब' शब्द का अर्थ बताएं।

(a) उपाधि (b) व्यक्ति का नाम

(c) राजा का नाम (d) राजवंश का नाम

उत्तर-(a) उपाधि

प्रश्न 14. नस्ल का अर्थ बताएं?

(a) व्यक्ति

(b) वंश या विशेष प्रजाति

(c) जानवरी

(d) देश

उत्तर-(b) वंश या विशेष प्रजाति

प्रश्न 15. लेखक ने सफेदपोश सज्जन किसे कह कर संबोधित किया है?

(a) वृद्ध को (b) गरीब को

(c) नवाब साहब को(d) जवान व्यक्ति को

उत्तर-(c) नवाब साहब को

प्रश्न 16. नवाब साहब ने खाने के लिए क्या खरीदा था?

(a) मिठाई (b) खीरा

(c) फल (d) बिरयान

उत्तर-(b) ,खीरा

प्रश्न 17. नवाब के लेखक का बर्थ में उनके साथ होना क्या पसंद आया?

(a) हाँ (b) नहीं

(c) पता नहीं (d) शायद हाँ

उत्तर-(b) नहीं

प्रश्न 18. खाली बैठे रहने पर किसे कल्पना करने की पुरानी आदत थी?

(a) डॉक्टर को

(b) लेखक (यशपाल) को

(c) शिक्षक को

(d) मालिक को

उत्तर-(b) लेखक (यशपाल) को

प्रश्न 19. लेखक की पुरानी आदत क्या थी?

(a) बात करने की (b) गाने की

(c) रोने की (d) कल्पना करने की

उत्तर-(d) कल्पना करने की

प्रश्न 20. खाली बैठे रहने पर लेखक क्या करते थे?

(a) सोना (b) कल्पना

(c) खाना (d) गाना

उत्तर-(b) कल्पना

प्रश्न 21. लेखक के अनुसार नवाब ने किस विषय को लेकर उत्साह नहीं दिखाया?

(a) लेखक से बात करने की

(b) लेखक से मित्रता करने की

(c) लेखक के बारे में जानने की

(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर-(d) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 22. लेखक नवाब साहब को किस तरह से देख रहे थे?

(a) सीधी नजर से (b) टेढ़ी नजरों से

(c) कनखियों से (d) बंद नजरों से

उत्तर-(c) कनखियों से

© JCERT not to be republished

प्रश्न 23. 'आदाब अर्ज, जनाब खीरे का शौक फरमाएगे' किसने कहा?

(a) लेखक ने नवाब से यह बात कही।

(b) नवाब ने लेखक से यह बात कही।

(c) वृद्ध व्यक्ति ने लेखक से कहा।

(d) वृद्ध व्यक्ति ने नवाब से कहा।

उत्तर-(b) नवाब ने लेखक से यह बात कही।

प्रश्न 24. नवाब के आग्रह करने पर लेखक क्या खीरा खाते हैं?

(a) हाँ

(b) शायद हाँ

(c) नहीं

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर-(c) नहीं

प्रश्न 25. अपदार्थ वस्तु का अर्थ बताएं?

(a) महत्वपूर्ण वस्तु (b) तुच्छ वस्तु

(c) कीमती वस्तु (d) शानदार वस्तु

उत्तर-(b) तुच्छ वस्तु

प्रश्न 26. कहानी में किसे अपदार्थ वस्तु माना गया है?

(a) टिकट को (b) खीरे को

(c) जीरा को (d) नमक को

उत्तर-(b) खीरे को

प्रश्न 27. सफेदपोश का अर्थ बताएं।

(a) बदमाश आदमी

(b) चोर

(c) डकैत

(d) सज्जन या भद्र पुरुष

उत्तर-(d) सज्जन या भद्र पुरुष

प्रश्न 28. मझले दर्ज का अर्थ बताएं।

(a) ऊपर का

(b) बीच का या मध्य का

(c) बगल का

(d) नीचे का

उत्तर-(b) बीच का या मध्य का

प्रश्न 29. क्या लेखक के सामने नवाब खीरा खाना चाह रहे थे?

(a) नहीं

(b) हाँ

(c) कुछ कहा नहीं जा सकता

(d) शायद हाँ

उत्तर-(a) नहीं

प्रश्न 30. 'आदाब अर्ज जनाब खीरे का शौक फरमाएंगे' यह पंक्ति किस पाठ से ली गई है?

(a) दो बैलों की कथा

(b) लखनवी अंदाज

(c) छाया मत छूना

(d) कन्यादान

उत्तर-(b) लखनवी अंदाज

प्रश्न 31. 'आदाब अर्ज जनाब खीरे का शौक फरमाएंगे' नवाब द्वारा कहे गए यह वाक्य किस प्रकार के भाव को दर्शा रहा है?

(a) गुस्से से की गई बात

© JCERT not to be republished

(b) तहजीब (आदर पूर्वक) से की गई बातें

(c) लापरवाही से की गई बात

(d) लापरवाही से की गई बात

उत्तर-(b) तहजीब (आदर पूर्वक) की गई बातें।

प्रश्न 32. लखनऊ स्टेशन पर जीरा मिला नमक और पीसी हुई लाल मिर्च का प्रयोग किस प्रकार से किया जाता है?

(a) तीखापन बढ़ाने के लिए

(b) खीरे को स्वादिष्ट बनाने के लिए

(c) कसैलापन बढ़ाने के लिए

(d) कड़वा करने के लिए

उत्तर-(b) खीरे को स्वादिष्ट बनाने के लिए

प्रश्न 33. करीने का अर्थ बताएं।

(a) उलझाकर

(b) इधर–उधर फेंकना

(c) तरीके से

(d) फैलाकर रखना

उत्तर-(c) तरीके से।

प्रश्न 34. 'मियां रई बनते हैं, लेकिन लोगों की नजरों से बच सकने के ख्याल में अपनी असलियत पर उतर आए हैं' यह पंक्तियां किस पाठ से ली गई हैं?

(a) दो बैलों की कथा

(b) लखनवी अंदाज

(c) छाया मत छूना

(d) कन्यादान

उत्तर-(b) लखनवी अंदाज

प्रश्न 35. स्फुरण का अर्थ बताएं?

(a) सुस्त (b) आलस्य

(c) निंद्रा (d) कंपन, स्फूर्ति या फड़कना

उत्तर-(d) कंपन, स्फूर्ति या फड़कना

प्रश्न 36. नवाब का मुख खीरे के रसास्वादन की कल्पना से कैसा हो रहा था?

(a) सूख रहा था।

(b) पल्लावित (पानी भर जाना) हो रहा था।

(c) फीका लग रहा था।

(d) कड़वा लग रहा था।

उत्तर-(b) पल्लावित (पानी भर जाना) हो रहा था।

प्रश्न 37. "वल्लाह शौक कीजिए, लखनऊ का बालम खीरा है।" यह पंक्तियां किस पाठ से ली गई हैं?

(a) लखनवी अंदाज (b) फसल

(c) ज्योतिबा फुले (d) हस्तक्षेप

उत्तर-(a) लखनवी अंदाज

प्रश्न 38. नवाब ने खीरे के फांके का क्या किया?

(a) खा लिया

(b) सूंघकर खा लिया

(c) फेंक दिया

(d) लेखक को खिला दिया

उत्तर-(c) फेंक दिया

© JCERT not to be republished

प्रश्न 39. 'मानो कह रहे हों– यह है खानदानी रईसों का तरीका!' यह पंक्ति किस पाठ से ली गई है?

(a) लखनवी अंदाज

(b) यमराज की दिशा

(c) माटी वाली

(d) फसल

उत्तर-(a) लखनवी अंदाज

प्रश्न 40. खम शब्द का अर्थ बताएं।

(a) झुकना (b) भागना

(c) खाना (d) गिरना

उत्तर-(a) झुकना

प्रश्न 41. ऐब्स ट्रैक्ट का अर्थ बताएं।

(a) मूर्त

(b) अमूर्त (मन से अनुभव करना)

(c) नजदीक

(d) दूर

उत्तर-(b) अमूर्त (मन से अनुभव करना)

प्रश्न 42. लेखक का मानना है कि बिना कथ्य (कहने योग्य) के कहानी लिखी जा सकती है। आप इस बात से सहमत हैं?

(a) हाँ

(b) नहीं

(c) कुछ कहा नहीं जा सकता

(d) पता नहीं

उत्तर-(b) नहीं

प्रश्न 43. सामंती वर्ग में किन लोगों को शामिल किया जाता है?

(a) छोटे लोगों को

(b) नवाब, छोटे राजा और जमींदार को

(c) गरीब लोगों को

(d) नए लोगों को

उत्तर-(b) नवाब, छोटे राजा और जमींदार को

प्रश्न 44. नवाब, छोटे और जमींदार वर्ग किसका प्रतिनिधित्व (नेतृत्व, अगुआई) करते थे?

(a) झूठी शान की

(b) बनावटी जीवन का

(c) विशिष्ट जन होने का

(d) उपयुक्त सभी

उत्तर-(b) उपयुक्त सभी

© JCERT not to be republished